(Rs. Crores)

	1993-94	1994-95	1995-96(RE)
Interest payment on outstandings			
(i) Internal debt and other liabilities	33017	40023	47101
(ii) External debt on Government account	3724	4026	4899
Average rate of interest (%)			
(i) Market borrowings and other liabilities	13.5	13.2	14.7
(ii) External assistance on Government account	3.1	3.16	3.1

(b) Details of outstanding gross bank credit of scheduled commercial banks to the industry and agriculture sectors are as under:

(Rs. crore)

	As on		
	19-3-93	18-3-94	31-3-95
Industry	78662	80482	102953
Agriculture	19963	21208	23980

Interest rate is charged on the basis of the size of the credit. The following rates are applicable from 18-10-94:

Size of the Credit Limit	Effective Rates (%)
1. Upto Rs. 25000/-	12.0
2. Over Rs. 25000/- and upto Rs. 2 lakhs	13.5
3. Over Rs. 2 lakhs	Banks are free to fix the rate.

इंडियन एयरलाइंस को हुई हानि

259. **श्रीमती मालती शर्मा:** क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 1993-94, 1994-95 और 1995-96 के दौरान इंडियन एयरलाइंस को वर्षवार कितनी हानि हुई और इसके कारण क्या हैं;

(ख) क्या सरकार हानि को पूरा करने के लिये कोई ठोस कदम उठाने पर विचार कर रही है; और

(ग) यदि हां तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

नागर विमानन मंत्री (श्री सी० एम० इब्राहिम): (क) इंडियन एयरलाइन्स को ए-320 विमान-बेड़े के ग्राउंडिंग, ट्रंक मार्गों पर गैर-सरकारी विमान कंपनियों के प्रवेश, विमान चालकों के पलायन, प्रतिकूल विदेशी-मुद्रण के उतार-चढ़ाव के कारण वर्ष 1993-94, 1994-95 तथा 1995-96 में क्रमशः 248.48 करोड़ रुपए, 188.73 करोड़ रुपए तथा 134.25 करोड़ रुपए (अनंतिम) की हानि उठानी पड़ी।

(ख) और (ग) इंडिय एयरलाइंस और अधिक यात्रियों को आकर्षित करने तथा राजस्व में वृद्धि करने के

लिए अपने उत्पाद, छवि तथा समय-बद्ध निष्पादन में सुधार लाने हेतु कदम उठा रही है।

सरकारी और गैर सरकारी क्षेत्र के बैंकों द्वारा कृषि क्षेत्र को दिया गया ऋण

260. **श्री सोमपाल :** क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि हाल के वर्षों में सरकारी और गैर-सरकारी दोनों क्षेत्रों के बैंकों द्वारा कृषि क्षेत्र को दिये जाने वाले ऋण प्रतिशत में कमी आई है;

(ख) यदि हां, तो गत तीन वर्षों में सरकारी और गैर सरकारी क्षेत्र के विभिन्न बैंकों द्वारा कृषि क्षेत्र को दी गई ऋण राशि का ब्यौरा क्या है और यह राशि कुल ऋण राशि का कितना प्रतिशत है;

(ग) इस संबंध में सरकार अथवा भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा क्या लक्ष्य निर्धारित किये गये थे और वर्ष-वार लक्ष्यों की तुलना में कितनी कमी रही है; और

(घ) आगामी वर्षों में इन लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा कौन-कौन से कारगर कदम उठाये जा रहे हैं?

वित्त मंत्री (श्री पी० चिदम्बरम): (क) से (ग) सरकारी क्षेत्र और गैर-सरकारी क्षेत्र के बैंकों से निवल बैंक ऋण का कम से कम 18 प्रतिशत कृषि को देने की अपेक्षा की जाती है। पिछले तीन वर्ष के लिए इन बैंकों का कृषि के लिए ऋण निष्पादन कार्य निम्नानुसार है:—

समाप्त वर्ष (मार्च)	निवल बैंक ऋण	कृषि अग्रिम	सरकारी क्षेत्र के बैंक	
			नि०बैंक ऋण का 18%	कमी (करोड़ रु०)
1994	140913.62	21204.26 (15.05%)	25364.45	4124.19 (2.95%)
1995	169037.54	23512.93 (13.91%)	30426.75	6913.82 (4.09%)
1996	184390.76	26351.25 (14.29%)	33190.33	6839.08 (3.71%)
		गैर-सरकारी क्षेत्र के बैंक (पुराना)		
1993	7086	511 (7.2%)	1275.48	764.48 (10.8%)
1994	9545	591 (6.2%)	1718.10	1127.10 (11.8%)
1995	13558	816 (6.0%)	2440.44	1624.44 (12.0%)
सितम्बर, 1995 (अद्यतन उपलब्ध)	12745	885 (6.9%)	2294.10	1409.10 (11.1%)

उपर्युक्त से देखा जा सकता है कि कृषि अग्रिमों में बढ़ोत्तरी हो रही है। तथापि, निवल बैंक ऋण की प्रतिशतता के रूप में ऐसे अग्रिमों के हिस्से में मार्च, 1995 तक गिरावट का रुख था। इस स्थान को रोका गया है और सरकारी क्षेत्र के बैंकों के मामले में यह प्रतिशतता मार्च, 1995 की तुलना में मार्च, 1996 में बढ़ी है और गैर-सरकारी क्षेत्र के बैंकों के मामले में मार्च/ 1995 की तुलना में सितम्बर, 1995 में बढ़ी है।

(घ) भारतीय रिजर्व बैंक ने सभी वाणिज्यिक बैंकों से जल्द से जल्द प्राथमिकता क्षेत्र ऋण के लिए निर्धारित लक्ष्य और उपलक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु हर संभव उपाय